



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 21 अप्रैल, 2001/1 बैशाख, 1923

## हिमाचल प्रदेश सरकार

तकनीकी शिक्षा विभाग  
(औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

शिमला-171 002, 20 मई, 2000

संख्या ई० डी० एन० (टी इ) ए (3)-8/96.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा व्यावसायिक एवम् औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), वर्ग-I (राजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध “क” के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा व्यावसायिक एवम् औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवम् प्रोन्नति नियम, 2000 है ।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. निरसन और व्यावृत्तियां.—(1) शिक्षा विभाग (तकनीकी शिक्षा), हिमाचल प्रदेश अधिसूचना संख्या 17-5/71 एड्यू-बी (टी इ), तारीख 15 मई, 1973 द्वारा अधिसूचित दो रैंकरूटमेंट एण्ड प्रोमोशन रूल्ज का

एतद्द्वारा उस विस्तार तक निरसन किया जाता है जहाँ तक कि ये विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग) के पद को लागू हो।

(2) परन्तु ऐसे निरसन के होते हुए उपर्युक्त उप-नियम 2(1) के अधीन निरसित नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, बात या कार्यवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप से की गई समझी जाएगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

उपाबन्ध "क"

हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा व्यावसायिक एवं प्रशिक्षण विभाग में विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग), वर्ग-I (राजपत्रित) के भर्ती एवम् प्रोन्नति नियम

- |   |   |
|---|---|
| 1. पद का नाम  | विभागाध्यक्ष (सिविल इंजीनियरिंग)            |
| 2. पदों की संख्या                                       | 2 (दो)                                      |
| 3. वर्गीकरण   | वर्ग-I (राजपत्रित)                          |
| 4. वेतनमान<br>(विस्तृत रूप में विवरण दें)।              | रुपये 12000-375-135000-400-15900-450-16350. |
| 5. चयन पद अथवा अचयन पद                                  | चयन   |
| 6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा। | 45 वर्ष या इससे कम -                        |

परन्तु सीधी भर्ती के लिए उच्चतम आयु सीमा तदर्थ या सविदा पर नियुक्ति किये गये पहले से सरकार की सेवा में रत व्यक्तियों सहित अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी।

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिकृत हो गया हो तो वह तदर्थ या सविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जायेगी जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है।

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को जो ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय

ऐसे पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारीवृन्द को नहीं दी जायेगी, जो पश्चात्तवर्ती ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/किए गए हैं और उन पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किए गए थे।

- (1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना, उस वर्ष के प्रथम दिवस में की जायेगी, जिसमें कि पद (पदों) को यथास्थिति आवेदन आमन्त्रित करने के लिए विज्ञापित किये जाते हैं या नियोजनालयों को अधिसूचित किया जाता है।
- (2) अन्यथा सुग्रहित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी।

7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।

**अनिवार्य अर्हताएं**

समुचित स्तरों पर अध्यापन, उद्योग और अनुसन्धान में 5 वर्ष के अनुभव के साथ हिमाचल प्रदेश/केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड/संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग/(प्रौद्योगिकी) में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर की उपाधि।

**वांछनीय अर्हताएं :**

1. सिविल इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में पी0 एच0 डी0 की उपाधि।

2. हिमाचल प्रदेश की रुढ़ियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता।

8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हतायें प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं ?

आयु : लागू नहीं

शैक्षणिक अर्हताएं : लागू नहीं

9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा कि सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों और लिखित कारणों से आदेश दें।

10. भर्ती की पद्धति—सीधी भर्ती होगी या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।

11. प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा।

वरिष्ठ प्राध्यापकों (सिविल इंजीनियरिंग) में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा व होने पर वरिष्ठ प्राध्यापक (सिविल इंजीनियरिंग) में से प्रोन्नति द्वारा जिनका वरिष्ठ प्राध्यापक (सिविल इंजीनियरिंग और प्राध्यापक सिविल इंजीनियरिंग) का संयुक्त रूप में 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को शामिल करके 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, दोनों के न होने पर प्राध्यापकों (सिविल इंजीनियरिंग) में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 8 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को शामिल करके 8 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-98 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जायेगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकाय प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-98 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंग और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा।

**स्पष्टीकरण .**—अंतिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा, यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मड फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों या जिसे ऐक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन ऑफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-98 तक की गई उपर्युक्त निदिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, तो उसकी संरचना ?

जैसी कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित हो

14. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा।

किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी निम्नलिखित अवश्य होना चाहिए:—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) तिब्बती शरणार्थी, जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास के लिए आया हो या
- (ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका, म्यांमार, पूर्वी अफ्रीका के देशों की निधियां, यूनाईटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया (पहले तांगानिका और जजीबार), जाम्बिया, मालवा, जेयरे और इथोपिया से भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास किया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।

ऐसे अभ्यर्थी को, जिनके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/मास्कात्कार में प्रवेश किया जा सकेगा, परन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव, भारत सरकार द्वारा उसे पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के मामले में, पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर और यदि यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम, यथा-स्थिति आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाएगा।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/ पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गए आदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा

सेवा में प्रत्येक सदस्य को हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथाविहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार को यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक है या समीचीन है तो यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी।

#### ANNEXURE-"A"

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF HEAD OF DEPARTMENT (CIVIL ENGINEERING) (CLASS-I, GAZETTED) IN THE PAY SCALE OF RS. 12000—16350 IN THE DEPARTMENT OF TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL AND INDUSTRIAL TRAINING, HIMACHAL PRADESH

1. Name of the post

Head of Department (Civil Engineering)

2. Number of posts

02 (Two)

3. Classification	Class-I (Gazetted)
4. Scale of pay (Be given in expanded notation).	Rs. 12000-375-13500-400-15900-450-16350
5. Whether selection post or non-selection post ?	Selection
6. Age for direct recruitment	45 years and below;

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis :

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment:

Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes/Other Categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government :

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Corporations/Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such Corporations/Autonomous Bodies and who are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial constitution of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies.

(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year

in which the post(s) is/are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges or as the case may be.

(2) Age and experience in the case of direct recruitment, relaxable at the discretion of the H. P. Public Service Commission in case the candidate is otherwise well qualified.

7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruits.

*Essential Qualifications :*

1st Class Master Degree in Civil Engineering/Technology from a University/Board/Institution recognised by H. P./Central Government with five years experience in Teaching, Industry and Research at the appropriate levels.

*Desirable Qualifications :*

1. Ph. D Degree in Civil Engineering/Technology.

2. Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees ?

*Age :* Not applicable

*Educational Qualifications :* Not applicable

9. Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion failing which by direct recruitment.

11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Senior Lecturers (Civil Engineering) who possess three years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service, if any, in grades failing which by promotion from amongst the Senior Lecturers (Civil Engineering) who possess five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service, if any, in



the grade as Senior Lectures (Civil Engineering) and Lecturer, Civil Engineering combined, failing both by promotion from amongst the Lecturers Civil Engineering who possess 8 years service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service, if any, in the grade.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided that :

(i) in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-Servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed

Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985, and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service if the *ad hoc* appointment, promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R&P Rules:

Provided that *inter se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?
13. Circumstances under which the H.P.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
14. Essential requirement for direct recruitment.

As may be constituted by the Government from time to time.

As required under the law

A candidate for appointment to any service or post must be,—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India,
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire & Ethiopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of Himachal Pradesh.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission or Other Recruiting Authority but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of Himachal Pradesh.

15. Selection for appointment by direct recruitment.

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of *viva voce* test, if the Himachal Pradesh Public Service Commission or Other Recruiting Authority as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus etc. of which will be determined by the Commission/other recruiting authority as the case may be.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes/Backward Classes/ Other Categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1997.

18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the H.P.P.S.C relax any of the provisions of these Rules with respect to any class or category of persons or posts.

